Result Mitra IAS/PCS Daily Magazine Content

ताइवान एवं वन चाइना पॉलिसी

➢ चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में अमेरिकी विदेश विभाग के ताइवान पेज ने पिछले सप्ताह ताइवान की स्वतंत्रता का समर्थन नहीं करने वाले अपने पिछली बयान को हटा दिया है।
- अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि उसने अपनी वेबसाइट के ताइवान खंड के लिए एक नियमित अद्यतन किया है।
- ताइवान पर हाल ही में अद्यतन तथ्य पत्रक ने वाशिंगटन के विरोध को ताइवान या चीन से एकतरफा परिवर्तन के विरोध में बरकरार रखा है, जो लोकतांत्रिक रूप से शासित ताइवान को अपनाता है।
- अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा "हम ताइवान स्वतंत्रता का समर्थन नहीं करते" वाक्यांश को हटा दिया गया है तथा इसमें लिखा गया है कि यूएस, अंतरराष्ट्रीय संगठनों में ताइवान की सदस्यता का समर्थन करेगा।
- ज्ञातव्य है कि संयुक्त राज्य अमेरिका का ताइवान के साथ कोई औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं है लेकिन अमेरिका ताइवान का सबसे मजबूत समर्थन है जो अपनी रिपोर्ट के हवाले से खुद को बचाव करने के साधन के साथ ताइवान का समर्थन करता है।
- हालांकि अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका अपनी "एक चीन नीति" के लिए प्रतिबद्ध है।

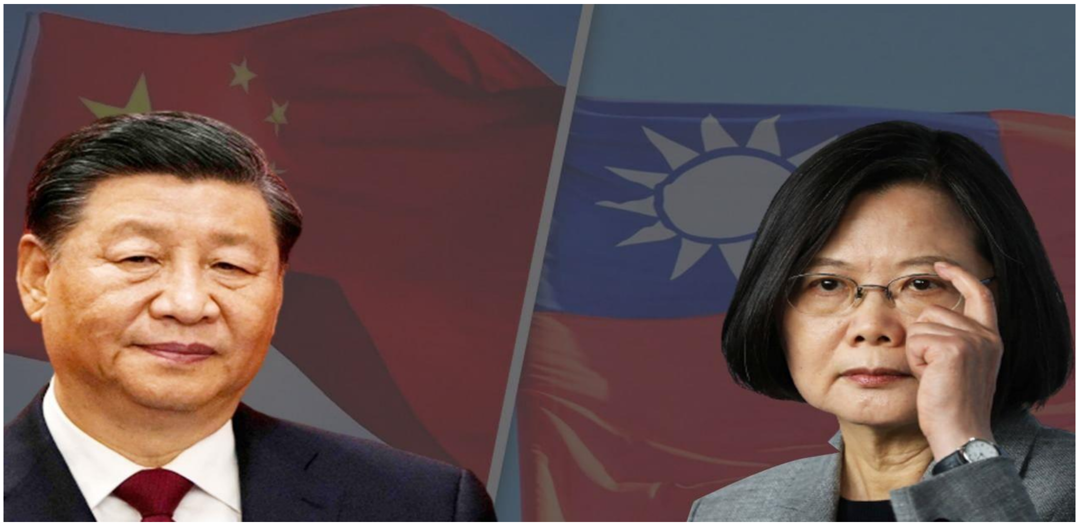

➢ ताइवान के उल्लेखनीय भौगोलिक पहलू :

- ताइवान आधिकारिक तौर पर चीन गणराज्य (ROC) के पश्चिमी प्रशांत महासागर में स्थित है।
- ताइवान स्ट्रेट द्वारा यह मुख्य भूमि चीन से अलग है।
- ताइवान जिले पहले फार्मोसा द्वीप के नाम से जाना जाता था, चीन के पूर्वी तट से एक छोटा सा द्वीप है।
- ताइवान हांगकांग के उत्तर–पूर्व, फिलिपींस के उत्तर–दक्षिण, दक्षिण कोरिया के दक्षिण और जापान के दक्षिण–पश्चिम में स्थित है।
- ताइवान का कुल क्षेत्रफल 36,193 वर्ग किलोमीटर और वर्ष 2020 के अनुसार जनसंख्या लगभग 24 मिलियन है।
- ताइवान के उत्तरी भाग में एक उपोष्ण कटिबंधीय जलवायु और दक्षिणी भाग में उष्णकटिबंधीय जलवायु है।
- ताइवान में ग्रीष्मकाल गर्म और आद्र होता है जबकि सर्दियां आमतौर पर हल्की ठंड वाली होती है लेकिन पहाड़ी क्षेत्रों में अधिक ठंड पड़ती है।
- ताइवान भूकंप के लिए अति संवेदनशील है क्योंकि यह प्रशांत महासागर के "रिंग ऑफ फायर" के साथ स्थित है जहां दुनिया के 90% भूकंप आते हैं।

- एसोसिएट प्रेस के एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ताइवान द्वीप और उसके आसपास के जलीय क्षेत्र में 4.0 या उससे अधिक के परिमाण के लगभग 2,000 से अधिक भूकंप दर्ज किए गए हैं।

➢ **ताइवान का इतिहास :**

- ताइवान को हजारों वर्षों से स्वदेशी लोगों द्वारा बसाया गया है।
- 1600 के दशक में ताइवान को डच और स्पेनिश द्वारा नियंत्रित किया गया था।
- 1684 ई. में किंग राजवंश ने ताइवान को फुजियान प्रांत के हिस्से के रूप में शामिल किया और बाद में इसे वर्ष 1885 में एक अलग चीनी प्रांत घोषित किया।
- जापान के साथ एक युद्ध में किंग राजवंश की हार के बाद वर्ष 1895 में यह एक जापानी नियंत्रित क्षेत्र बन गया।
- वर्ष 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जापान ने इस चीनी गणराज्य को सौंप दिया था।
- वर्ष 1949 में माओ जेडौंग की कम्युनिस्ट बलों से पराजित होने के बाद चीनी गणराज्य अपनी राजधानी ताइवान में ले गई और चीनी गणराज्य का नाम ताइवान रखा गया।
- तब से ताइवान औपचारिक रूप से चीन गणराज्य बना हुआ है।
- तत्पश्चात माओत्सेतुंग ने पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ़ चाइना की स्थापना की और यह दावा किया कि पूरे चीनी गणराज्य के लिए एकमात्र वैध चीनी सरकार थी जिसमें चीन के उत्तराधिकारी राज्य के रूप में ताइवान भी शामिल था।
- शुरुआत में ताइवान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का हिस्सा था लेकिन वर्ष 1979 में चीन का सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने के बाद ताइवान की सुरक्षा परिषद से मान्यता समाप्त कर दी गई।
- वर्ष 1999 में हांगकांग से ब्रिटिश नियंत्रण समाप्त होने के बाद चीन ने ताइवान को "वन चाइना पॉलिसी" में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया लेकिन ताइवान ने इसे अस्वीकार कर दिया।
- हालांकि ताइवान एक ऐसा क्षेत्र है जहां लोग अपने स्वयं के नेताओं का चुनाव करते हैं और अपने स्वयं के सैन्य, पासपोर्ट और मुद्रा द्वारा शासित हैं।

- ताइवान वास्तविक स्वतंत्रता के साथ कार्य करता है, भले ही अधिकांश देश औपचारिक रूप से इसे एक देश के रूप में मान्यता नहीं देते हैं।
- ताइवान की सरकार का दावा है कि चीन गणराज्य एक संप्रभु राज्य है और तर्क देता है कि बीजिंग को ताइवान का प्रतिनिधित्व करने या बोलने का कोई अधिकार नहीं है।
- वर्तमान में विश्व के केवल 12 देश ताइवान के साथ औपचारिक राजनीतिक संबंध रखते है जिनमें से अधिकांश छोटे और विकासशील राष्ट्र हैं।
- अधिकांश प्रमुख पश्चिमी देश और अमेरिका ताइवान के साथ अपने पासपोर्ट को पहचानने और एक–दूसरे की राजधानियों में वास्तविक दूतावासों के साथ घनिष्ठ अनौपचारिक संबंध बनाए रखते हैं।
- ताइवान के नागरिक अपने पासपोर्ट का उपयोग करके अधिकांश देशों में स्वतंत्र रूप से यात्रा कर सकते हैं।

➢ ताइवान के साथ भारत के संबंध :

- भारत और ताइवान के बीच अनौपचारिक राजनयिक संबंध नहीं है क्योंकि भारत "वन चाइना पॉलिसी" का अनुसरण करता है।
- वर्ष 1993 में भारत और ताइवान एक–दूसरे की राजधानियों में प्रतिनिधित्व स्थापित करने पर सहमत हुए।
- इसी के तहत ताइवान में "भारत–ताइपे एसोसिएशन फॉर इंडिया" और नई दिल्ली में ताइपे पर आर्थिक और सांस्कृतिक केंद्र स्थापित किए गए।
- केवल भारत ही ताइवान के प्रतिनिधित्व केंद्र वाला देश नहीं है तथा इसके अलावा संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, रूस और अन्य देशों के पास भी ताइवान के साथ औपचारिक राजनयिक मिशनों की अनुपस्थिति में वीजा सेवाओं और सांस्कृतिक एवं आर्थिक आदान-प्रदान सुविधाओं के लिए केंद्र स्थापित है।
- ज्ञातव्य है कि ताइवान ने वर्ष 1995 में नई दिल्ली में, वर्ष 2012 में चेन्नई में और 2024 में मुंबई में अपना "ताइपे आर्थिक और सांस्कृतिक केंद्र" (TECC) खोला।
- ताइवान ने वर्ष 2016 में अपनी "न्यू साउथ बॉन्ड पॉलिसी" के तहत भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों के साथ अपने संबंध मजबूत करने का प्रयास किया।

- ज्ञातव्य है कि वर्तमान में ताइवान दुनिया का सेमीकंडक्टर (Semi–Conductor) का सबसे अग्रणी निर्माता देश है।
- Semi–Conductor का प्रयोग अधिकांश इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बिजली आपूर्ति करने के लिए होता है।

➢ "वन चाइना पॉलिसी" क्या है ?

- "वन चाइना पॉलिसी" ताइवान द्वीप के संबंध में चीनी राज्य द्वारा पालन किया जाने वाला एक आधिकारिक सिद्धांत है।
- चीन की सरकारी वेबसाइट के अनुसार One China Policy का तात्पर्य यह है कि दुनिया में सिर्फ एक ही चीन है और ताइवान चीन का एक अभिन्न अंग है और पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (PROC) की सरकार पूरे चीन का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र कानूनी सरकार है।
- वर्तमान में वैश्विक परिदृश्य में चीन के बढ़ते प्रभाव के कारण दुनिया के अधिकांश देश One China Policy को मान्यता देते हैं।

➢ रिंग ऑफ़ फायर क्या है ?

- "रिंग ऑफ़ फायर" प्रशांत महासागर में स्थित सैकड़ो ज्वालामुखियों और भूकंप–साइटों की एक स्ट्रिंग है।
- रिंग ऑफ़ फायर आकार में एक अर्धवृत्त या घोड़े की नाल की तरह है जो लगभग 40,250 किलोमीटर तक फैला हुआ है।
- द रिंग ऑफ़ फायर में कई टेक्टोनिक प्लेटों के मीटिंग बिंदु का पता लगाया गया जिसमें यूरेशियन, नॉर्थ अमेरिकन, जुआन डे फुका, कोकोस, कैरेबियन, नाजका, अंटार्कटिक, भारतीय, ऑस्ट्रेलियाई, फिलीपीन और अन्य छोटी प्लेटें शामिल है जो सभी बड़ी प्रशांत प्लेटों को घेरते हैं।
- जब कोई मामला एक लोक अदालत में दायर किया जाता है तो अदालत का शुल्क देय नहीं होता है।

Result Mitra

- हालांकि यदि कानून की अदालत में लंबित कोई मामला लोक अदालत में भेजा जाता है, तो कानून की अदालत में भुगतान की गई राशि को पार्टियों को वापस कर दिया जाता है।
- वर्ष 2024 में सुप्रीम कोर्ट की स्थापना के 75 साल का जश्न मनाते हुए भारतीय सुप्रीम कोर्ट में एक सप्ताह की विशेष लोक अदालत शुरू की गई थी।
- इस मौके पर तत्कालीन भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि लोक अदालत एक बहुत ही अनौपचारिक प्रौद्योगिकी-आधारित समाधान का प्रतिनिधित्व करता है जो हमारे नागरिकों को विशुद्ध रूप से स्वैच्छिक, सहमति के तरीके में उनकी संतुष्टि से जुड़े मामले को हल करने के लिए है।
- लोक अदालत में वैवाहिक विवादों, संपत्ति विवादों, मोटर दुर्घटना के दावों, भूमि अधिग्रहण, मुआवजा, सेवा और श्रम से संबंधित मामलों की सुनवाई की जाती है।
- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लोक अदालत देश की न्यायिक अदालत प्रणाली का एक अभिन्न घटक है जो वैकल्पिक विवाद समाधान को बढ़ाने और सौहार्दपूर्ण वातावरण को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है।
- भारत में पहली लोक अदालत वर्ष 1982 में गुजरात में आयोजित की गई थी।
- लोक अदालतों का संचालन करने के लिए राज्य सरकार द्वारा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण का गठन किया गया है।

Result Mitra

हम आपको रिजल्ट देने आये हैं.
Result Mitra
1- UPSC(IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
5- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹
कोर्स या Test Series के लिए
WhatssApp कीजिये
9235313184, 9235446806